



## PLI योजनाओं के तहत नविश

### प्रलिमिंस के लिये:

[उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन \(PLI\) योजनाएँ, इलेक्ट्रॉनिक्स वनिरिमाण, औषध, खाद्य प्रसंस्करण, दूरसंचार व नेटवर्कगि उत्पाद, पेनसिलिनि-G](#)

### मेन्स के लिये:

वनिरिमाण क्षेत्र में विकास में उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (PLI) योजना का महत्त्व

[स्रोत: पी.आई.बी](#)

## चर्चा में क्यों?

[उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन \(Production Linked Incentive- PLI\) योजनाओं](#) में नवंबर, 2023 तक **1.03 लाख करोड़ रुपए** से अधिक का नविश किया गया है।

- इससे **8.61 लाख करोड़ रुपए** के बराबर उत्पादन/बिक्री हुई है तथा **6.78 लाख से अधिक रोजगार** उत्पन्न हुए हैं।

## PLI योजना की प्रमुख उपलब्धियाँ क्या हैं?

- PLI योजनाओं में वृहत् [इलेक्ट्रॉनिक्स वनिरिमाण, औषध, खाद्य प्रसंस्करण](#) तथा [दूरसंचार व नेटवर्कगि](#) उत्पाद जैसे विभिन्न क्षेत्रों के महत्त्वपूर्ण योगदान के साथ नरियात **3.20 लाख करोड़ रुपए** से अधिक हो गया है।
- PLI के लाभार्थियों में [थोक औषधि, चिकित्सा उपकरण, औषध, दूरसंचार, भारी उपभोक्ता टिकिऊ वस्तुएँ \(White Goods\), खाद्य प्रसंस्करण, वस्त्र और ड्रोन](#) जैसे क्षेत्रों के **176 लघु तथा मध्यम उद्यम (Micro, Small and Medium Enterprises- MSME)** शामिल हैं।
- 8 क्षेत्रों** के लिये PLI योजनाओं के तहत लगभग **4,415 करोड़ रुपए** की प्रोत्साहन धनराशि वितरित की गई। इनमें वृहत् [इलेक्ट्रॉनिक्स वनिरिमाण \(Large-Scale Electronics Manufacturing- LSEM\), IT हार्डवेयर, थोक औषधि, चिकित्सा उपकरण, औषध, दूरसंचार व नेटवर्कगि उत्पाद, खाद्य प्रसंस्करण और ड्रोन व इसके घटक](#) शामिल हैं।
- PLI योजना के कारण [औषधि क्षेत्र में कच्चे माल के आयात में काफी कमी](#) आई है।
  - भारत में [पेनसिलिनि-G](#) सहित अद्वितीय मध्यवर्ती सामग्री और [थोक दवाओं](#) का वनिरिमाण किया जा रहा है।
  - इसके अतिरिक्त **39 चिकित्सा उपकरणों का उत्पादन** शुरू किया गया है। इनमें सीटी-स्कैन, लीनियर एक्सेलेरेटर (LINAC), रोटेशनल कोबाल्ट मशीन, C-Arm, MRI, कैथ लैब, अल्ट्रासोनोग्राफी, डायलिसिस मशीन, हार्ट वॉल्व, स्टेंट आदि शामिल हैं।
- [दूरसंचार क्षेत्र में 60 फीसदी का आयात प्रतिस्थापन प्राप्त](#) किया गया है तथा वित्तीय वर्ष 2023-24 में PLI लाभार्थी कंपनियों द्वारा [दूरसंचार व नेटवर्कगि उत्पादों की बिक्री](#) में आधार वर्ष (वित्ति वर्ष 2019-20) की तुलना में **370 फीसदी** की बढ़ोतरी हुई है।
  - इसके अतिरिक्त **90.74% की मशरति वार्षिक वृद्धिदर (Compounded Annual Growth Rate- CAGR)** के साथ ड्रोन उद्योग में नविश पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव पड़ा।
- [खाद्य प्रसंस्करण](#) के लिये **PLI योजना**, भारत से कच्चे माल की सोर्सगि में काफी वृद्धि हुई है जिससे भारतीय किसानों और MSME की आय पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।
  - जैविक उत्पादों की बिक्री में वृद्धि हुई और वदिशों में ब्रांडगि तथा मार्केटगि के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय ब्रांड की दृश्यता बढ़ी।
  - इस योजना से बाजरा खरीद भी **668 मीट्रिक टन** (वित्ति वर्ष 2020-21) से बढ़कर **3,703 मीट्रिक टन** (वित्ति वर्ष 2022-23) हो गई है।
- इन प्रमुख वशिष्ट क्षेत्रों में PLI योजना भारतीय नरिमाताओं को वशिष्ट स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने, मुख्य योग्यता और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में नविश आकर्षित करने तथा भारत को वैश्विक मूल्य शृंखला का एक अभिन्न अंग बनाने के लिये शुरू हुई है।
  - इसने भारत की नरियात टोकरी को पारंपरिक वस्तुओं से उच्च मूल्य वर्धति उत्पादों जैसे [इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार सामान](#), प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों आदि में बदल दिया है।

- वित्त वर्ष 2020-21 के बाद से मोबाइल फोन का उत्पादन 125% से अधिक बढ़ गया और मोबाइल फोन का निर्यात 4 गुना बढ़ गया।
- LSEM के लिये PLI योजना की शुरुआत के बाद से प्रत्यक्ष वदेशी निवेश (Foreign Direct Investment - FDI) में 254% की वृद्धि हुई है।

## प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिवि स्कीम (PLI) क्या है?

### परिचय:

- **PLI योजना** की कल्पना घरेलू वनिरिमाण क्षमता को बढ़ाने के साथ-साथ उच्च आयात परतस्थापन और रोजगार सृजन के लिये की गई थी। **मार्च 2020 में शुरू की गई इस योजना ने आरंभ में तीन उद्योगों को लक्षित किया:**
  - मोबाइल और संबद्ध घटक वनिरिमाण
  - वदियुत घटक वनिरिमाण
  - चकितिसा उपकरण
- **बाद में इसे 14 क्षेत्रों तक बढ़ा दिया गया:** मोबाइल वनिरिमाण, चकितिसा उपकरणों का वनिरिमाण, ऑटोमोबाइल और इसके घटक, फार्मास्यूटिकलस, दवाएँ, वशिष इस्पात, दूरसंचार एवं नेटवर्कगि उत्पाद, इलेक्ट्रॉनिकि उत्पाद, घरेलू उपकरण (ACs व LEDs), खाद्य उत्पाद, कपड़ा उत्पाद, सौर पीवी मॉड्यूल, उन्नत रसायन सेल (ACC) बैटरी तथा ड्रोन व इसके घटक।
- **PLI योजना में घरेलू और वदेशी कंपनियों को** भारत में वनिरिमाण के लिये पाँच वर्षों तक उनके राजस्व के प्रतशित के आधार पर वततीय लाभ प्राप्त् होता है।

## PLI योजना के संबंध में क्या चिंताएँ हैं?

- **प्रतस्पर्द्धा एवं बाज़ार की गतशीलता:** यह योजना भाग लेने वाली कंपनियों के बीच मूल्य युद्ध या बाज़ार वकृतियों उत्पन्न कर सकती है, जिससे उनकी लाभप्रदता एवं स्थिरता प्रभावित हो सकती है।
- **अनुपालन और रपिर्टगि बोझ:** इस योजना के तहत कंपनियों को प्रोत्साहन का दावा करने के लिये वभिन्न दस्तावेज़ और रपिर्ट जमा करने की आवश्यकता होती है, जिससे उनकी प्रशासनिक लागत बढ़ने के साथ वलिंब हो सकता है।
- **संयोजन बनाम मूल्य संवर्धन:** घटकों को आयात करने और उन्हें भारत में संयोजित करने से उत्पन्न मूल्य योजना के तहत भारत में वनिरिमाण द्वारा जोड़े गए मूल्य से अलग नहीं है। इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग में कम मूल्यवर्धन एवं नवाचार की प्राप्त् की जा सकती है।
- **कम मूल्य वाली वस्तुओं का उत्पादन:** कम मूल्य वाली वस्तुओं का उत्पादन उच्च मूल्य वाली वस्तुओं की तुलना में अधिक प्रचलित है। संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ मुख्य रूप से उच्च मूल्य वाली वस्तुओं से जुड़े लेन-देन में संलग्न हैं।
- **अनुसंधान और विकास:** निर्यातनमुखी नीतियों के निर्माण में अनुसंधान एवं विकास पर अपर्याप्त ध्यान दिया जाता है।
- **कार्यान्वयन एवं समन्वय मुद्दे:** इस योजना में कई मंत्रालय और वभिग शामिल हैं, जो योजना के कार्यान्वयन एवं निगरानी में भ्रम तथा असंगतता उत्पन्न कर सकते हैं।

## आगे की राह

- **बाज़ार प्रभाव आकलन:** संभावित वकृतियों की पहचान करने के लिये बाज़ार प्रभाव का गहन मूल्यांकन करना। अस्वास्थ्यकर मूल्य निर्धारण युद्धों को रोकने के लिये नयिम या सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करना।
- **दस्तावेज़ीकरण:** प्रशासनिक बोझ को कम करने के लिये दस्तावेज़ीकरण आवश्यकताओं को सुव्यवस्थित करना।
  - प्रशासनिक बोझ को कम करने के लिये दस्तावेज़ीकरण आवश्यकताओं को सरल बनाना।
- **मूल्य संवर्धन एवं नवप्रवर्तन:** ऐसे मानदंड प्रस्तुत करना जो उच्च-मूल्यवर्धन एवं नवाचार को प्रोत्साहित करना।
- **हतिधारकों के साथ जुड़ें:** प्रदूषण, भूमि अधग्रहण एवं श्रम अधिकारों से संबंधित चिंताओं को दूर करने के लिये उचित हतिधारकों के साथ जुड़ाव।
  - सतत् एवं सुसंगत नीति प्रवर्तन सुनिश्चित करने के लिये अंतर-मंत्रालयी सहयोग को बढ़ावा देना।
- **अनुसंधान एवं विकास:** अनुसंधान एवं विकास में निवेश करने वाली कंपनियों के लिये अतिरिक्त प्रोत्साहन प्रस्तुत करना। नवाचार को बढ़ाने के लिये उद्योग एवं अनुसंधान संस्थानों के बीच साझेदारी को सुवधायक बनाना।
- **कोष की स्थापना:** नवोन्मेषी परियोजनाओं एवं प्रौद्योगिकियों का समर्थन करने के लिये एक समर्पित कोष स्थापित करना।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष प्रश्न

**??????????:**

**प्रश्न. निम्नलिखित कथनों पर वचिर कीजिये: (2023)**

**कथन-I** वस्तुओं के वैश्विक निर्यात में भारत का निर्यात 3.2% है।

**कथन-II** भारत में कार्यरत अनेक स्थानीय कंपनियों एवं भारत में कार्यरत कुछ वदेशी कंपनियों ने भारत की 'उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (प्रोडक्शन-लिंक्ड इंसेंटिवि) योजना का लाभ उठाया है।

उपर्युक्त कथनों के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा एक सही है?

- (a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या है।  
(b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है।  
(c) कथन-I सही है कति कथन-II गलत है।  
(d) कथन-I गलत है कति कथन-II सही है।

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- हाल ही में विश्व व्यापार संगठन की वैश्विक व्यापार आउटलुक एवं स्टैटिक्स रपीरट के अनुसार, भारत वस्तुओं के वैश्विक निर्यात में 1.8 % हिस्सेदारी रखता है। **अतः कथन 1 गलत है।**
- वर्ष 2024 के लिये अनुमानित 3.2% के लक्ष्य तक पहुँचने से पूर्व वर्ष 2023 में विश्व वाणज्यिक वस्तु व्यापार की मात्रा में 1.7% वृद्धिका अनुमान है।
- उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (प्रोडक्शन लिंकड इनशिएटिवि) योजना कंपनियों को भारत में निरमिति उत्पादों के वृद्धशील विक्रय पर प्रोत्साहन प्रदान करती है। इसका उद्देश्य विदेशी कंपनियों को भारत में इकाइयाँ स्थापित करने के लिये आकर्षित करना है, जबकि स्थानीय कंपनियों को अपनी विनिर्माण इकाइयों का विस्तार करने एवं अधिक रोजगार सृजन तथा आयात पर देश की निर्भरता को कम करने के लिये प्रोत्साहित करना है। **अतः कथन 2 सही है।**

**??????:**

प्रश्न. हाल ही के कुछ वर्षों में भारत व जापान के मध्य आर्थिक संबंधों में विकास हुआ है पर अभी भी वह संभावता से बहुत कम है। उन नीतित्त दबावों (व्यवरोधों) को स्पष्ट कीजिये जिनके कारण यह विकास अवरुद्ध है। (2013)

प्रश्न. श्रम-प्रधान निर्यातों के लक्ष्य को प्राप्त करने में विनिर्माण क्षेत्रक की विफलता के कारण बताइए। पूँजी-प्रधान निर्यात के अपेक्षा अधिक श्रम-प्रधान निर्यात के लिये, उपायों को सुझाइए? (2017)

प्रश्न. हाल के समय में भारत में आर्थिक संवृद्धिकी प्रकृतिका वर्णन अक्सर नौकरीहीन संवृद्धिके तौर पर किया जाता है। क्या आप इस विचार से सहमत हैं? अपने उत्तर के समर्थन में अपने तरक प्रस्तुत कीजिये। (2015)